जीवन की सच्ची ख़ुशी

कोमल एक बहुत ही नटखट लड़की थी। वह हर कार्य को बड़े ही उत्साह से करती थी। वह पढ़ने में भी बहुत होशियार थी। एक दिन की बात है **क्लासटीचर मैडम** ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा, " हर किसी के जीवन में कोई ना कोई लक्ष्य अवश्य होता है। हमें उस लक्ष्य को पूरा करने की क्षमता को हमेशा परखते रहना चाहिए। "

सभी बच्चे बड़े ही ध्यान से उनकी बातों को सुन रहे थे। फिर उन्होंने कहा, " हमें अपने सपनों को पूरा करने के लिए कोई **शोर्टकट** नहीं अपनाना चाहिए। हमेशा ही सही रास्तों को चुनना चाहिए। सिर्फ अंकों का अधिक आना ही आपको सफल नहीं बनाता। अपने जीवन में ज्ञान, सोच, तर्क और सपने को भी रखना भी जरूरी होता है और स्वप्न भी ऐसा हो जिसमें आपके साथ - साथ । "

कोमल ने हाथ उठाकर पूछा, " मैडम , मेरे तो कई सारे सपने हैं। क्या मेरे सभी सपने पूरे हो सकते हैं?" "उन में से कोई एक सपना बताओ?" क्लासटीचर मैडम ने पूछा।

तब कोमल ने कुछ देर सोचने की बाद बोला, " मैं अपने आप को **स्वर्ग की परी** के रूप में देखना चाहती हूं। "

" क्या किसी और भी बच्चे का यह सपना है?" क्लास टीचर मैडम ने पूछा।

बच्चे एक दूसरे का मुंह देखने लगे। कुछ बच्चे तो कोमल की तरफ ऐसे देखने लगे कि उसने बड़ा बेकार सा प्रश्न किया है। कोमल कुछ देर बाद बोली, " मैडम जी , मैं अपना यह सपना पूरा करने की कोशिश जरूर करूंगी। ”

" इस बच्ची के लिए ताली बजाओ, क्योंकि इसने प्रयास करने का साहस दिखाया। हम इसके प्रयास को देखने का इंतजार करेंगे। ” मैडम ने कहा।

उसके बाद मैडम चली गयी, लेकिन कुछ बच्चे कोमल का मजाक बनाने लगे। अब कोमल ने चुनौती तो स्वीकार कर ली थी, लेकिन उसे यह पता नहीं था कि इसे पूरा करने के लिए अब क्या किया जाए ?

उसके दिमाग में कई सारे प्रश्न चल रहे थे। छुट्टी होने के बाद वह घर लौटी। अन्य दिनों की तरह उस ने शाम को एक गिलास दूध पीया, लेकिन खेलने नहीं गई। वह मम्मी के बगल में जा कर बैठ गई।

मम्मी ने उसे प्यार करते हुए पूछा, “क्या बात है, **मेरी नन्ही परी** ? इतनी उदास क्यों हो ? "

इसपर उसने पूरी बात अपनी माँ को बता दी। इसपर उसकी माँ ने कहा , " तुम बहादुर बच्ची हो, इसी लिए तुम ने यह चुनौती स्वीकार की,”

“लेकिन मम्मी, अब मैं अपने इस सपने को पूरा करने के लिए क्या करूं?”

कोमल ने पूछा. “अपनी आंखें बंद करो और कल्पना करो कि तुम एक परी हो,” माँ ने कहा.

कोमल ने अपनी आंखें बंद कीं और अपने सपने के बारे में सोचने लगी। “अब इस कागज पर चित्र द्वारा या लिख कर अपने मन में चल रही बातों को लिखो,” कह कर उसकी माँ ने कोमल को एक **पैंसिल और चार्ट पेपर दिए।**

कुछ ही मिनटों में कोमल ने एक सुंदर सा चित्र बना दिया। वह चित्र उसने अपनी माँ को दिखाया। " वाह, बहुत सुंदर,” माँ बोलीं। कोमल ने एक सुंदर सा बगीचा बनाया था, जिस में कई तरह के पेड़ पौधे, फूल, **तितलियां,** ड्रैगनफ्लाइ, चिड़िया, खरगोश, बतख बने हुए थे और इन के बीच में सितारों से सजी **गाउन** पहन कर कोमल खड़ी थी। उस के दो सुंदर पंख भी थे।

तभी कोमल के पापा भी ऑफिस से आ गए। उन्होंने कोमल के स्कूल के बारे में सारी बातें ध्यान से सुनीं। “तुम बिलकुल सही रास्ते पर हो,” पापा ने कहा।

“सब से पहले तुम्हारा एक सपना होना चाहिए। फिर उस से संबंधित चीजों को कागज पर बना लेना चाहिए। इस के बाद सपने को पूरा करने के लिए योजना बना कर उस पर अमल करना चाहिए और फिर हम उसे अवश्य ही पूरा कर सकते हैं " उसके पापा ने कहा।

कोमल हैरानी से पापा की ओर देख रही थी. “तुम हैरान क्यों हो रही हो?” पापा ने मुसकराते हुए पूछा। “हम पहले पौधे लगाएंगे. उन के बड़े होने पर चिड़ियां और तितलियां अपने आप आ जाएंगी,” पापा ने कहा. “**लेकिन बतख, खरगोश, और पंखों वाली परी का क्या होगा?**” कोमल ने पूछा।

यह सुन कर कोमल के पापा मम्मी जोर जोर से हंसने लगे। ‘चिंता मत करो,” पापा ने कहा, “पहले जो है उस से तो शुरुआत करो। ” कोमल ने पापा मम्मी की सहायता से अपने घर का एक भाग इस **‘ड्रीम प्रोजैक्ट**’ के लिए चुन लिया।

मम्मी ने **गुलाब**, **अड़हुल**, **चमेली**, **बैगनवेलिया**, **तुलसी** आदि पौधे बगीचे के लिए मंगवा लिए। पापा कुछ गेंदा के बीज ले आए। कोमल ने अपने **नए प्रोजैक्ट प**र काम शुरू कर दिया, जिसे उस ने गुप्त रखा था।

पापा मम्मी ने उसे यह सिखा दिया कि बगीचे का ध्यान कैसे रखना है। स्कूल से आते ही वह अपने पौधों की ओर भागती। वह सूरज डूबने तक वहीं रहती, उन में पानी देती और उन का ध्यान रखती।

पौधे तेजी से बढ़ने लगे। कुछ ही महीनों में उस का बगीचा हराभरा हो गया। वह सुंदर, सुगंधित फूलों से भर गया। जल्दी ही वहां तितलियां, ड्रैगनफ्लाइ और चिड़ियां आने लगे।

वादे के मुताबिक पापा बतख, खरगोश खरीद कर ले आए। मम्मी ने एक उजली साड़ी को सिल कर गाउन बनाया। 'परी' दिखने के लिए उस में दो छोटे छोटे पंख भी लगा दिए।

एक दिन कोमल ने क्लासटीचर मैडम से कहा कि, " वह सभी को अपना सपना दिखाने के लिए तैयार है। " दूसरे दिन कोमल के दोस्त और टीचर उस के घर पहुंच गए।

वहां का दृश्य देख कर सभी हैरान थे। वहां का पूरा बगीचा स्वर्ग की तरह दिख रहा था। रंगबिरंगी तितलियां फूलों के ऊपर उड़ रही थीं। **मैना** और दूसरे पक्षी अड़हुल और बैगनवेलिया के आसपास उड़ रहे थे।

नजदीक के **पीपल के पेड़** से तोते के गाने की आवाज आ रही थी। बतख इधर से उधर घूम रहा थी। खरगोश और पंडुक से बगीचे की सुंदरता और अधिक बढ़ गई थी।

वहां **गिलहरियां** भी दौड़भाग रही थीं. "बच्चो, तुम इसी तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हो," मैडम ने कोमल की प्रशंसा करते हुए कहा।

" कोमल के **'परी'** बनने का सपना पूरा हो गया है। साथ ही साथ उस के सपने ने एक ऐसी दुनिया भी बना दी, **जहां दूसरे जीवजंतु भी प्यार और भाईचारा से रह सकें**। याद रखना, तुम्हारे सपने तुम्हारे साथ साथ दूसरों के जीवन में भी खुशियां ला सकते हैं," मैडम ने कहा. सभी ने कोमल के लिए तालियां बजाईं।